अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान वर्ष : 2019 **दिनांक : 17-12-2019**

समय : 3 घंटा **तृतीय वर्ष–प्रथम प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

बावन बोल–25

प्र. 1 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) तेईस पदवी कितने भाव? कितनी आत्मा? तथा छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ख) आठ कर्मों का उदय व क्षय निष्पन्न किस-किस गुणस्थान तक?

(ग) आठ कर्मों का उदय, उपशम, क्षय, क्षयोपशम निष्पन्न छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

प्र. 2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 9

(क) आठ कर्मों का बंध, उदय, सत्ता किस-किस गुणस्थान तक?

(ख) चौदह गुणस्थान कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ग) जीव पारिणामिक के दस भेद कितने भाव? कितनी आत्मा?

(घ) चौबीस दण्डकों में लेश्या कितनी?

प्र. 3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6

(क) चौदह गुणस्थान छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ख) द्रव्य पुण्य, भाव पुण्य कितने भाव? कितनी आत्मा? तथा छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ग) धर्म-अधर्म कितने भाव? कितनी आत्मा?

(घ) आठ आत्मा में उदय भाव कितनी? यावत् पारिणामिक भाव कितनी?

इक्कीस द्वार–25

प्र. 4 कोई चार बोल पूरे लिखें– 20

(क) औपशमिक सम्यक्त्वी (ख) अचरम

(ग) असंज्ञी (घ) अज्ञानी

(ङ) वेदक सम्यक्त्वी (च) अभाषक

प्र. 5 कोई पांच प्रश्नों के उत्तर दें (कितने व कौन से पाते हैं)– 5

(क) सम्यक मिथ्यादृष्टि–योग व दण्डक

(ख) भाषक–योग, गुणस्थान।

(ग) अभवी–उपयोग, भाव।

(घ) अपर्याप्त–आत्मा, उपयोग।

(ङ) संयतासंयति–दण्डक, उपयोग।

(च) विभंगज्ञानी–जीव का भेद, वीर्य।

(छ) सूक्ष्म संपराय संयति–योग, उपयोग।

जैन-तत्त्व प्रवेश (द्वितीय व तृतीय खण्ड)–30

प्र. 6 किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 5

(क) निर्वेद किसे कहते हैं?

(ख) निक्षेप के प्रकारों का नाम लिखें।

(ग) कोड़ी, जोंक आदि में योग कितने पाते हैं? नाम लिखें।

(घ) परोक्ष किसे कहते हैं? उसके भेदों के नाम लिखें।

(ङ) विचिकित्सा का अर्थ लिखें।

(च) श्रावक प्रतिमा द्वार–आठवीं प्रतिमा लिखें।

(छ) पंचेन्द्रिय के जीव संज्ञी या असंज्ञी?

प्र. 7 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) आगम द्वार लिखें।

(ख) दान–दया–अनुकम्पा द्वार प्रारंभ से लिखते हुए 'ज्यूं सीझै आतम काम' तक लिखें।

(ग) पुण्य-पाप द्वार लिखें।

प्र. 8 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) श्रावक गुण द्वार

(ख) विश्राम द्वार

(ग) शील आदरियो.....मांय।

(घ) व्रताव्रत द्वार-निर्ग्रंथ के अंतिम तीन प्रकार लिखते हुए 'साध नै श्रावक रतनांरी माला' के पहले का वर्णन करें। दोहा नहीं लिखें।

(ङ) सप्तभंगी लिखें व नय को परिभाषित करें।

(च) श्रावक प्रतिमा द्वार–चौथी, पांचवीं व छठी प्रतिमा की व्याख्या करें।

(छ) धर्म अधर्म द्वार–प्रारंभ से लिखते हुए धर्म के दो प्रकार तक लिखें।

पूर्ण कंठस्थ ज्ञान–20

प्र. 9 किन्हीं आठ प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखें– 8

प्रत्येक खंड में से दो प्रश्न हल करें।

पच्चीस बोल–

(क) आस्रव का 12वां भेद

(ख) इक्कीसवां विषय

(ग) दसवां योग

चतुर्भंगी–

(क) लेश्या जीव या अजीव?

(ख) ध्यान किस कर्म का उदय?

(ग) किस भेद के जीव कम किस भेद के जीव अधिक?

पच्चीस बोल की चर्चा–

(क) जीव तत्त्व के छह भेद किसमें व कौन से?

(ख) अठारह दण्डक किसमें व कौन से?

(ग) बारह योग किसमें व कौन से?

तत्त्व चर्चा–

(क) पाप धर्म या अधर्म?

(ख) पुण्य हेय या उपादेय?

(ग) दया छह में कौन? नौ में कौन?

प्र. 10 निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें– 12

(क) **कर्म प्रकृति**–प्रत्येक प्रकृति–अंतिम पांच प्रकृतियों की व्याख्या करें। ***अथवा*** अपवर्तना व उदीरणा की व्याख्या करें।

(ख) **जैन तत्त्व प्रवेश**–दृष्टांत द्वार–आश्रव की व्याख्या करें। ***अथवा*** द्रव्य-गुण पर्याय द्वार–प्रारम्भ से लेकर सामान्य गुण के प्रकार लिखते हुए उनकी व्याख्या करें।

(ग) **प्रतिक्रमण**–वंदना सूत्र–प्रारंभ से लिखते हुए देवसिंय वइक्कमं से पहले तक का लिखें। ***अथवा*** ईर्यापथिक सूत्र-प्रारंभ से लिखते हुए अभिहया से पहले तक का लिखें।